



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 276] नई दिल्ली, बुधवार, जून 30, 1982/आषाढ़ 9, 1904  
No. 276] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 30, 1982/ASADHA 9, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 जून, 1982

का० आ० 466--(अ)/18-क/आई डी आर ए/82--भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 678(अ)/14-क/आई डी आर ए/72, तारीख 24 अक्टूबर, 1972 (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा, उक्त आदेश में निविष्ट प्राधिकृत नियंत्रक ने मैसर्स कार्टर एंड एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 620(अ)/18-आई डी आर ए/77, तारीख 10 अगस्त, 1977, सं० का० आ० 590 (अ)/18क/आई डी आर ए/79, तारीख 23 अक्टूबर, 1979, सं० का० आ० 855(अ), तारीख 23 अक्टूबर 1980, सं० का० आ० 315(अ), तारीख 22 अप्रैल, 1981, सं० का० आ० 765(अ) 18क/आई डी आर ए/81, तारीख 22 अक्टूबर, 1981 और सं० का० आ० 279(अ)/18क/आई डी आर ए/82, तारीख 23 अप्रैल, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 30 जून, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी।

और केंद्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध 31 दिसम्बर, 1982 तक की और अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जारी रखें;

अतः केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 31 दिसम्बर, 1982 तक की और अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा।

[का० सं० 4(12)/79-सी० यू० एस०]

भार० के० भार्गव, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th June, 1982

S.O. 466(E)/18A/IDRA/82.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 678(E)/18A/IDRA/72, dated the 24th October, 1972 (hereinafter referred to as the said order), the management of the industrial

undertaking known as Messrs Carter Pooler and Company Private Limited, Calcutta, had taken over by the Authorised Controller referred to in the said order for a period of 5 years ;

And whereas, by the orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 620(E)/18A/IDRA/77, dated the 19th August, 1977, No. S.O. 590(E)/18A/IDRA/79, dated the 23rd October, 1979, No. S.O. 855(E), dated the 23rd October, 1980, No. S.O. 315(E), dated the 22nd April, 1981 No. S.O. 765(E)/18A/IDRA/81, dated the 22nd October, 1981 and No. 279(E)/18A/IDRA/82, dated the 23rd April, 1982, the duration of the said order was extended upto and inclusive of the 30th June, 1982 ;

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said authorised controller should continue for a further period upto and inclusive of 31st December, 1982 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st December, 1982.

[F. No. 4(12)/79-CUS]

R. K. BHARGAVA, Jt. Secy.